Online Lecture Series

ON

Intellectual Property Rights (IPR) Issues

25th Sep.-01st Oct. 2020

(Jointly organized by IPR cell and HRDC DDU Gorakhpur University, Gorakhpur)

Technical Programme

25-09-2020, Friday		
Inaugural Session (1430-1635 Hrs)		
1430-1440 Hrs		About the Lecture Series by Convener, **Prof. Dinesh Yadav**, *Nodal Officer-IPR cell*
1440-1445 Hrs		Address by **Mrs. Pooja Yadav**, *Joint Director, Council of Science and Technology, Lucknow, UP*
1445-1455 Hrs		Address by Patron, **Prof. Sugriva Nath Tiwari**, *Dean, Faculty of Science*
1455-1500 Hrs		Address by Co-Convener, **Prof. Sarad Kumar Mishra**, *Head, Department of Biotechnology*
1500-1515 Hrs		Address by Chief Guest, Prof. **Nagendra K Singh,** *National Professor, B.P. Pal Chair, IARI, New Delhi*
1515-1530 Hrs		Address by Chief Patron, **Prof. Rajesh Singh**, *Vice Chancellor, D.D.U. Gorakhpur University*
1530-1535 Hrs		Vote of Thanks by Convener, **Prof. Himanshu Pandey**, *Director, UGC-MHRD Centre, Gorakhpur*
Lecture-I **1535-1635 Hrs**		**Important of IPR: Indian Perspectives** ***Prof. Ganesh Hingmire***, *Founder & Chairman, GMGC PUNE, National IP Award Winner 2015& 2016*
26-09-2020, Saturday		

Lecture-II **1100-1200 Hrs**		**Innovation and IPRs in New Education Policy 2020** ***Dr. H. Purushottam***, *Ex-Chairman & Managing Director, NRDC (National Research Development Corporation), Ministry of Science & Technology, Govt. of India, New Delhi*
Lecture-III **1200-1300 Hrs**		**Copyright and Publication Issues** ***Dr. Kanika Malik***, *Principal Scientist, Editor: Journal of Intellectual property Right; Applied Innovative Research Journal, CSIR-NISCAIR, New Delhi*
	27-09-2020, Sunday	
Lecture-IV **1130-1230 Hrs**		**Provision of Compulsory Licensing** -***Dr. Sujit Kumar***, *Scientific Officer, Nodal officer IPR cell, UP Council of Agricultural Research (UPCAR) Lucknow*
	28-09-2020, Monday	
Lecture-V **1130-1230 Hrs**		**Protection on Plant varieties and farmer rights** ***Prof. H.S. Chawla***, *Former Dean Post Graduate Studies, Former Professor & Head, Deptt of Genetics & Plant Breeding, G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar, Uttarakhand*
	29-09-2020, Tuesday	
Lecture-VI **1130-1230 Hrs**		**New Dimension for fetching Intellectual Property Right through Nutri-Innovation to Development of Nutri-Ayur products** **Prof. Anil Kumar,** *Founder Director Education, Rani Lakshmi Bai Central Agriculture University, Jhansi (U.P.)*
	30-09-2020, Wednesday	
Lecture-VII **1130-1230 Hrs**		**Patent Filing and Prosecution in India** ***Dr. Balram Singh***, *IPR consultant/Patent agent, Indian Patent Office, Patent Minder IP Associates.*
	01-10-2020, Thursday	
	01-10-2020, Thursday	
Lecture-VIII **1130-1230 Hrs**		**Trademark and Trade Secret Rights Protection in National and International Arena** ***Prof. Ajeya Kumar Gupta***, Department of Commerce, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
	Valedictory Session (1230-Hrs)	
1230-1330 Hrs		Prof. Rajarshi K Gaur (*Will conduct the Valedictory Session*)

1230-1235 Hrs		Remarks by Convener, **Prof. Himanshu Pandey**, *Director, UGC-MHRD Centre, Gorakhpur*
1235-1240 HRs		Remarks by **Prof. Sudhir Kumar Srivastava** *Director, IQAC, DDU Gorakhpur University, Gorakhpur*
1240-1255 Hrs		Report by Convener**, Prof. Dinesh Yadav**, *Nodal Officer-IPR cell*
1255-1310 Hrs		Address by Chief Guest**, Dr. R.K. Singh,** *Additional Director General (Commercial Crops), ICAR, New Delhi*
1310-1325 Hrs		Presidential Address by Chief Patron, **Prof. Rajesh Singh**, *Vice Chancellor, D.D.U. Gorakhpur University*
1325-1330 Hrs		Vote of Thanks by **Co-convener Prof. Sarad Kumar Mishra** *Head, Department of Biotechnology*

News Paper Report

25/09/2020

पेटेंट नोडल सेंटर का आयोजन आज

गोरखपुर। डीडीयू के पेटेंट नोडल सेंटर एवं विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक मानव सम्पदा अधिकार विषय पर सात दिवसीय व्याख्यान का आयोजन शुक्रवार से किया जाएगा। उद्घाटन सत्र में विख्यात वैज्ञानिक प्रो. एनके सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह करेंगे। मुख्य वक्ता जीएमजीसी, पुणे के अध्यक्ष एवं संस्थापक तथा नेशनल आईपीक्षअवार्ड विजेता प्रो. गनेश हिंगमिरे होंगे। एचआरडी केन्द्र के निदेशक प्रो. हिमांशु पाण्डेय धन्यवाद ज्ञापित करेंगे। यह जानकारी श्रृंखला के संयोजक प्रो. दिनेश यादव ने दी।

Amar Ujala

सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान आज से

गोरखपुर।गोरखपुर विश्वविद्यालय के पेटेंट नोडल सेंटर एवं मानव संसाधन विकास केंद्र की ओर से 25 सितंबर से सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला का आयोजन किया गया है। यह जानकारी संयोजक प्रो. दिनेश यादव ने दी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि विख्यात वैज्ञानिक प्रो. एनके सिंह व्याख्यान देंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजेश सिंह करेंगे। पहले दिन के मुख्य वक्ता जीएमजीसी पुणे के अध्यक्ष एवं संस्थापक तथा नेशनल आईपी अवार्ड विजेता प्रो. गनेश हिंगमिरे अपने विचार रखेंगे।

Dainik Jagaran

सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान आज से

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के पेटेंट नोडल सेंटर की ओर से 'बौद्धिक मानव संपदा अधिकार' विषय पर 25 से सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी संयोजक प्रो. दिनेश यादव ने दी।(जासं.)

Rashtriya Sahara (25/09/2020)

डीडीयू में बौद्धिक मानव सम्पदा अधिकार विषय पर होगी संगोष्ठी

गोरखपुर (एसएनबी)। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पेटेंट नोडल सेन्टर एवं विश्वविद्यालय के मानव

संसाधन विकास केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक मानव सम्पदा अधिकार विषय पर सप्त दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इस व्याख्यान श्रृंखला मे उक्त विषय के विभिन्न पक्षों पर देश के जाने माने विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा। प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में देश के विख्यात वैज्ञानिक प्रो. एनके सिंह मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान देंगे।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह करेंगे । प्रथम दिन के मुख्य वक्ता जीएम जीसी पुणे के अध्यक्ष एवं संस्थापक तथा नेशनल आइपी अवार्ड विनर प्रो. गनेश हिंगमिरे अपना व्याख्यान 'आइपी आरका महत्व : भारतीय संदर्भ में' विषय पर देंगे । उद्घाटन सत्र मे विवि के आइपीआर के नोडल अधिकारी प्रो. दिनेश यादव व्याख्यान माला की प्रस्ताविकी रखेंगे। धन्यवाद प्रस्ताव एचआरडी केन्द्र के निदेशक प्रो. हिमांशु पाण्डेय द्वारा किया जाएगा। व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन आनलाइन मोड मे किया जाएगा । उक्त जानकारी श्रृंखला के संयोजक प्रो. दिनेश यादव ने दी।

26/09/2020

शोध में आईपीआर का महत्व बताया

गोरखपुर। बौद्धिक संपदा अधिकारों पर व्याख्यान का आयोजन आईपीआर सेल व यूजीसी-एमएचआरडी केंद्र के तत्वावधान में हुआ। इसमें आईपीआर का महत्व बताया गया। मुख्य अतिथि आईएआरआई दिल्ली के प्रो एनके ने भारतीय संस्कृति का महत्व बताया। कहा कि हमें बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि हमें क्या शोध करना है।

पेटेंट कराने के लिए स्पष्ट चुनाव आवश्यक : प्रो.एनके सिंह

विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार पर ऑनलाइन व्याख्यान।

गोरखपुर (एसएनबी)। पेटेंट कराने के लिए सर्वप्रथम स्पष्ट चुनाव करना जरूरी है। इसके लिए बहुत सी एजेंसियां बाजार में है जो पेटेंट के लिए मदद को तत्पर रहती हैं। संस्थान एक सेल विकसित करता है जो किसी बैज्ञानिक को पेटेंट प्रक्रिया को विनियमित या मॉनीटरिंग मे मदद करता है।

उक्त बातें मुख्य अतिथि प्रो. एनके सिंह आईएआरआई, नई दिल्ली ने आईपीआर सेल और यूजीसीएमएचआरडी केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित 'बौद्धिक संपदा अधिकारों' पर व्याख्यान श्रृंखला देते हुए कहीं। प्रो. सिंह ने पेटेंट कराने के दौरान महत्वपूर्ण बातों को स्पष्ट करते हुए बताया कि हमें बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि हमें क्या पेटेंट करना है। प्रो. सिंह पौधों के जीनोमिक्स, आणविक संयंत्र प्रजनन और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने शोध के लिए जाना जाते हैं। इसके अलावा विशेष रूप से चावल, टमाटर, गेहूं, जूट, आम, जीनोम और गेहूं के बीज भंडारण प्रोटीन और उनकी समझ के डिकोडिंग में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके पास कई पेटेंट हैं। प्रो. दिनेश यादव, नोडल अधिकारी, आईपीआर सेल ने देश भर से आने वाले सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। श्रृंखला के संरक्षक प्रो. सुग्रीव नाथ तिवारी ने अनुसंधान के बर्तमान परिदृश्य में आईपीआर के महत्व को बताया। व्याख्यान श्रृंखला की गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. पूजा यादव, संयुक्त निदेशक, आईपीआर सेल, यूपीसीएसटी ने नवप्रवर्तकों को पेटेंट कराने के विभिन्न अवसरों की चर्चा की। संयोजक प्रो. शरद कुमार मिश्रा, विभागाध्यक्ष जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने कहा कि हमें पेटेंट के लिए क्षेत्र का चुनाव करना चाहिये।

डीडीयू में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' पर ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ

पहले दिन की श्रृंखला के मुख्य वक्ता ने पेटेंट पर भारतीय दृष्टिकोण के महत्व पर बात करते हुए युवा वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए विभिन्न पेटेंट, भौगोलिक संकेतक और फल खाद्य उत्पादों के पेटेंट पर भी चर्चा की। अंत में प्रो. हिमांशु पांडेय, निदेशक यूजीसी-एमएचआरडी, गोरखपुर विश्वविद्यालय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

TODAY NEWS

BREAKING NEWS

बौद्धिक संपदा अधिकार ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आरम्भ

September 25, 2020

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन आईपीआर सेल और यूजीसी-एमएचआरडी केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। आज के सत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश यादव, नोडल अधिकारी, आईपीआर सेल ने देश भर से आने वाले सभी प्रतिभागियों किया। व्याख्यान शृंखला के संरक्षक प्रो. सुग्रीव नाथ तिवारी ने विशेष मुद्दों पर उनके प्रयास के लिए आयोजक को बधाई देते हुए अनुसंधान के वर्तमान परिदृश्य में आईपीआर के महत्व के बारे में भी बताया।

व्याख्यान श्रृंखला के गेस्ट ऑफ ऑनर, डॉ. पूजा यादव, संयुक्त निदेशक, आईपीआर सेल, यूपीसीएसटी ने नवप्रवर्तकों को पेटेंट भरने के विभिन्न अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार नए विचारों और इसके पेटेंट के लिए समर्थन कर रही है। सह-संयोजक प्रो. सरद कुमार मिश्रा, विभागाध्यक्ष जैव प्रौद्योगिकी ने नवाचार और नवप्रवर्तनकर्ताओं के लिए कानून को मजबूत करने का सुझाव दिया। उन्होंने आगे कहा कि हमें पेटेंट के लिए क्षेत्र और विचार की पहचान करनी चाहिए।

कार्यक्रम का तकनीकी संचालन एवं ऑनलाइन मॉनिटरिंग आयोजन सचिव प्रो. राजर्षि कुमार ग़ौर और डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव ने किया. मुख्य अतिथि प्रो. एन.के. सिंह, राष्ट्रीय प्रोफेसर, आईएआरआई, नई दिल्ली ने पेटेंट कराने पर भारतीय संस्कृति के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हमें बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि हमें क्या पेटेंट करना है। बहुत सारी एजेंसियां बाजार में हैं जो आपको पेटेंट कराने में मदद करने की कोशिश करती हैं। संस्थान एक सेल विकसित कर सकता है और नवप्रवर्तनकर्ताओं या वैज्ञानिक को पेटेंट प्रक्रिया को विनियमित या मॉनिटर करने में मदद कर सकता है। प्रो. सिंह को पौधों के जीनोमिक्स,

आणविक संयंत्र प्रजनन और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने शोध के लिए जाना जाता है, विशेष रूप से चावल, टमाटर, कबूतर, गेहूं, जूट, आम जीनोम और गेहूं के बीज भंडारण प्रोटीन और उनकी समझ के डिकोडिंग में उनके योगदान के लिए। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके पास कई पेटेंट हैं। प्रो राजेश सिंह, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय, श्रृंखला के मुख्य संरक्षक ने आईपीआर पर व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन के लिए आयोजक की प्रशंसा की।

पहले दिन की श्रृंखला के मुख्य वक्ता ने पैटेनटिंग का भारतीय दृष्टिकोण के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत में पिछले 13 वर्षों में भरा 76% पेटेंट विदेशी कंपनियों का था। 10 में से 8 आवेदन विदेश से आ रहे हैं। वह पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन के मानदंडों पर चर्चा करता है। उन्होंने हमारे युवा वैज्ञानिक द्वारा बनाए गए विभिन्न पेटेंट पर भी चर्चा की, जैसे कि पानी में हवा घुमाने के लिए उपकरण, मोलेस्टेशन डिवाइस, बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन न चलना, कृत्रिम रक्त का बड़े पैमाने पर उत्पादन। उन्होंने भौगोलिक संकेतक और फल खाद्य उत्पादों के पेटेंट पर भी चर्चा की। अंत में, प्रोफेसर हिमांशु पांडेय, निदेशक यूजीसी-एमएचआरडी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, इस ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में शामिल होने के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद दिया। इस ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का अगला सत्र कल 11 बजे शुरू होगा।

27/09/2020

Rashtriya sahara

सतत विकास के लिए पैदा करना होगा अच्छे उद्यमी

गोरखपुर (एसएनबी)। गोविवि में आयोजित व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और निदेशक डॉ. एच. पुरूषोत्तम ने नयी शिक्षा नीति 2020 में नवाचार और वौद्धिक सम्पदा अधिकार की वात करते हुए कहा कि सतत विकास के लिए विश्वविद्यालयों को अच्छे उद्यमी पैदा करने होंगे।

व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन प्रो. दिनेश यादव, नोडल अधिकारी, आईपीआरसेल, गोविवि. ने वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. पुरुषोत्तम ने पैटेंटिंग में विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों की भूमिका पर चर्चा की। दूसरे वक्ता डॉ. कनिका मलिक, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर निसकैर, नयी दिल्ली ने कॉपीराइट्स और प्रकाशन के मुद्दों पर वताया कि कॉपीराइट किसी व्यक्ति को किसी दूसरे के वस्तु को उत्पन्न करने से रोकता है। यह देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान करता है। व्याख्यान के दौरान कई शोध छात्रों, शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। संचालन प्रो. राजर्षि कुमार गौर और डॉ. अम्वरीश कुमार श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. यादव ने किया।

विश्वविद्यालय में व्याख्यान श्रृंखला

कॉपीराइट देश की अर्थव्यवस्था में करता है योगदानः डॉ. कनिका

Dainik Jagaran inex

वेबीनार विकास के लिए पैदा करने होंगे अच्छे इंटरप्रेन्योर

'सिर्फ 0.69 परसेंट रिसर्च पर खर्च'

GORAKHPUR (26 Sept): यूनिवर्सिटीज को अच्छे इंटरप्रिन्योर पैदा करने करने होंगे. भारत अपनी जीडीपी का सिर्फ 0.69 परसेंट रिसर्च और डेवलपमेंट पर खर्च करता है, जो यूएसए, इजराइल, साउथ कोरिया जैसे देशों की तुलना में काफी कम है. हमें एकेडमिक रिसर्च की क्वालिटी को भी बढ़ाना होगा. यह बातें नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कार्पोरेशन के अध्यक्ष और निदेशक डॉ. एच पुरुषोत्तम ने कहीं. वह यूनिवर्सिटी में ऑर्गनाइज वेबीनार में अपनी बात रख रहे थे. उन्होंने कहा कि पेटेंटिंग में यूनिवर्सिटीज और रिसर्च संस्थानों की भूमिका पे चर्चा की.

बुक्स की नकल से सबको नुकसान

दूसरे वक्ता सीएसआईआर निसकैर नई दिल्ली की चीफ साइंटिस्ट डॉ. कनिका मलिक ने कॉपीराइट्स और प्रकाशन के मुद्दों पे चर्चा की. उन्होंने बताया कि कॉपीराइट किसी व्यक्ति को किसी दूसरे के वस्तु को उत्पन्न करने से रोकता है. यह देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान करता है. उन्होंने विभिन्न प्रकार के कॉपीराइट्स के बारे में बताया. उदाहरण देते हुए कहा कि बुक्स की नकल से प्रकाशकों और लेखकों दोनों को भारी नुकसान होता है. ये कृत्य दण्डनीय है, जिसमें जेल और जुर्माना दोनों ही सकता है. व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन गोरखपुर यूनिवर्सिटी आईपीआर सेल ने वक्ताओं और पार्टिसिपेंट्स का स्वागत किया. इस लेक्चर सीरीज में कई रिसर्च स्कॉलर्स, टीचर्स और साइंटिस्ट ने हिस्सा लिया. संचालन प्रो. राजर्षि कुमार गौर और डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. यादव ने किया.

E-paper

विविध सोमवार 28 सितम्बर, 2020 6

अकादमिक शोध की गुणवत्ता को बढ़ाना होगा : डॉ. पुरुषोत्तम

(विभूति नारायण ओझा)

गोरखपुर। नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और निदेशक डॉ. एच. पुरूषोत्तम ने नयी शिक्षा नीति 2020 में नवाचार और बौद्धिक सम्पदा अधिकार की बात की। व्याख्यान शृंखला के दूसरे दिन प्रो. दिनेश यादव, नोडल ऑफिसर, आईपीआर सेल, गो.वि.वि. ने वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. पुरुषोत्तम ने पैटेंटिंग में विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों को अच्छे उद्यमी उत्पन्न करने होंगे। भारत अपनी जीडीपी का सिर्फ 0. 69: रीसर्च और डिवेलप्मेंट पे खर्च्च करता है जो अन्य देश जैसे यूएसए, इजराइल, साउथ कोरिया की तुलना में काफी काम है। हमें अकादमिक शोध की गुणवत्ता को बढ़ाना होगा। उन्होंने आईपीआर सेल के जरिए विश्वविद्यालय से नवाचारों को पैटेंट के लायसेन्सिंग और व्यवसायीकरण में मदद करने का आवाहन किया। उन्होंने ये भी कहा कि पैटेंट के लायसेन्सिंग से नवाचारों को 3–5: की रॉयल्टीज मिलती है। दूसरे वक्ता डॉ. कनिका मलिक, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर–निसकैर, नयी दिल्ली ने कॉपीराइट्स और प्रकाशन के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कॉपीराइट किसी व्यक्ति को किसी दूसरे के वस्तु को उत्पन्न करने से रोकता है। यह देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान करता है। उन्होंने विभिन्न प्रकार के कॉपीरायट्स के बारे में बताया। उदाहरण देते हुए कहा कि पुस्तकों की नकल से प्रकाशकों और लेखकों दोनो को भारी नुकघ्सान होता है, ये कृत्य दण्डनीय है जिसमें जेल और जुर्माना दोनो हो सकता है। इस व्याख्यान श्रृंखला में कई शोध छात्रों, शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। संचालन प्रो. राजर्षि कुमार गौर और डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. यादव ने किया।

28/09/2020

अमर उजाला

गोर

न्यूज डायरी

बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रावधानों के बारे में बताया

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) सेल के नोडल अधिकारी डॉ. सुजीत कुमार ने कहा कि आईपीआर अनिवार्य होने के साथ लाइसेंस मार्केट पर नियंत्रण के लिए एक जरूरी सरकारी तंत्र है। सरकारें जनहित में तकनीक और सूचनाओं के विस्तार के लिए अनिवार्य-लाइसेंस जारी करती हैं। पेटेंटधारी अगर अपना आविष्कार जनता के लिए उपलब्ध कराने से इंकार कर दे तो कई देशों के कानून में अनिवार्य-लाइसेंस के प्रावधान हैं। डॉ. सुजीत रविवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय के आईपीआर सेल द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला के तीसरे दिन बतौर वक्ता संबोधित कर रहे थे। मौके पर प्रो. दिनेश यादव, सचिव डॉ. राजर्षि कुमार गौर, डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

29/09/2020

Amar Ujala

किसान नई प्रजाति को पंजीकृत कराकर संरक्षित करा सकते हैं : प्रो. एचएस चावला

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। प्रो. एचएस चावला ने कहा कि नई प्रजाति बनाने और विकसित करने वाले किसान पंजीकरण और संरक्षण करा सकते हैं। इसके लिए बने कानून देश के बीज उद्योग के विकास में सहायक हैं। यह किसानों को उच्च कोटि के बीज और रोपण सामग्री उपलब्ध कराता है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के आईपीआर सेल द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला के चौथे दिन पादप प्रजाति संरक्षण और कृषकों के अधिकार संबंधी भारतीय कानून-2001 के उद्देश्यों पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एचएस चावला थे। प्रो. चावला ने कुछ कृषि और सब्जी के पौधों के विविधता, समानता और स्थायित्व के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि कृषकों के अधिकार भारत के अलावा कुछ ही देशों में हैं जो अनाज और प्रजातियों के निस्तारण के अधिकार सुरक्षित करते हैं। उन्होंने पहले से संरक्षित प्रजातियों पर शोध के अधिकार पर भी प्रकाश डाला। अतिथि वक्ता का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन नोडल अधिकारी प्रो. दिनेश यादव तथा संचालन आयोजन सचिव डॉ. राजर्षि कुमार गौर व डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान कई शोध छात्रों, शिक्षकों और वैज्ञानिकों की उपस्थिति भी रही।

TheCG24.com

नयी प्रजाति बनाने और विकसित करने वाले किसान पंजीकरण और संरक्षण करा सकते हैं - प्रो. चावला https://www.thecg24.com/2020/09/blog-post_58.html

30/09/2020

Dainik Jagaran

पोषण की जरूरत पूरा करता है न्यूट्री-आयुर भोजन

गोरखपुर: न्यूट्री-आयुर (पोषक व आयुर्वेदिक) भोजन योजना एक समग्र स्वस्थ-भोजन कार्यक्रम है, जो व्यक्ति की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह बातें रानी लक्ष्मीबाई सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, झांसी के संस्थापक निदेशक प्रो. अनिल कुमार ने कही। वह बतौर अतिथि वक्ता गोविवि के बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि न्यूट्री-आयुर में उन खाद्य पदार्थों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल में कम होते हैं। नोडल अधिकारी प्रो. दिनेश यादव ने प्रतिभागियों सहित संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों का स्वागत किया। (जासं.)

Amar Ujala

'पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करता न्यूट्री आयुर भोजन'

गोरखपुर। न्यूट्री-आयुर भोजन एक समग्र स्वस्थ-भोजन कार्यक्रम प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जो आपकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है। ये बातें, रानी लक्ष्मीबाई सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, झांसी के संस्थापक निदेशक शिक्षा प्रो. अनिल कुमार ने कही।

वे बतौर अतिथि वक्ता गोरखपुर विवि के आईपीआर सेल द्वारा आयोजित पांचवें दिन 'न्यूट्री-आयुर उत्पादों के विकास के लिए न्यूट्रॉन-इनोवेशन के माध्यम से आईपी प्राप्त करने के लिए नए आयाम' विषय पर व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दैनिक जीवन में न्यूट्री-आयुर खाद्य पदार्थों के महत्व पर जोर दिया। कहा कि, इन खाद्य पदार्थों को विशेष रूप से लोगों की बढ़ती पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया जाता है।

अधिक कैल्शियम की पेशकश और उन व्यंजनों और खाद्य पदार्थों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल में कम होते हैं। कहा कि बाजरा पोषक तत्वों से भरपूर फसलें हैं जो कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, पॉलीफेनोल से भरपूर होती हैं। नोडल अधिकारी प्रो. दिनेश यादव प्रतिभागियों सहित संकाय सदस्यों, वैज्ञानिक और अनुसंधान विद्वानों का स्वागत किया। ब्यूरो

न्यूट्री-अयूर फूड: लाभदायक फिजियोलॉजी के साथ भोजन और पेटेंट की सम्भवना: प्रो. अनिल कुमार

4thpiller September 30, 2020

Prof. Anil Kumar
Founder Director Education,
Rani Lakshmi Bai Central Agriculture University, Jhansi (U.P.)

गोरखपुर -न्यूट्रीभोजन कार्यक्रम प्रदान करने के लिए डिज़ाइन गई -अयूर भोजन योजना एक समग्र स्वस्थ-है जो आपकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है।

अतिथि वक्ता के रूप में, प्रोअनिल कुमार ., संस्थापक निदेशक शिक्षा, रानी लक्ष्मी बाई सेंट्रल एग्रील्चर यूनिवर्सिटी, झाँसी ने ऑनलाइन आईपीआर के पांचवें दिन "न्यूट्री-आयुर उत्पादों के विकास के लिए न्यूट्रॉन-इनोवेशन के माध्यम से आईपी प्राप्त करने के लिए नए आयाम" पर व्याख्यान दिया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के आईपीआर सेल द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला।

उन्होंने दैनिक जीवन में न्यूट्रीअयूर खाद्य पदार्थों के महत्व पर जोर दिया। इन खाद्य पदार्थों को विशेष -रूप से लोगों की बढ़ती पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया जाता है।

अधिक कैल्शियम की पेशकश और उन व्यंजनों और खाद्य पदार्थों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जो संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल में कम होते हैं। यह एक दवा नहीं है बल्कि स्वास्थ्य क्रिया का एक सकारात्मक तरीका है जो सामान्य तरीकों से शरीर की कार्यक्षमता को बढ़ाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि, बाजरा पोषक तत्वों से भरपूर फसलें हैं जो कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, पॉलीफेनोल से भरपूर होती हैं। खनिज न केवल आहार को पूरक करते हैं बल्कि बीमारी के इलाज या रोकथाम में सहायता करते हैं।

उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में विकसित पारंपरिक खाद्य पदार्थों के आधार पर बहुत सारे पोषण संबंधी उत्पादों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये पोषण संबंधी खाद्य पदार्थ हानिकारक नहीं हैं वे उचित कार्य के लिए शरीर की कोशिका को सक्रिय करते हैं। उन्होंने प्राप्त पेटेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी और किसी भी शोधकर्ताओं द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों के आधार पर पेटेंट दाखिल करने के तरीके पर चर्चा की।

प्रोदिनेश यादव ., नोडल अधिकारी, आईपीसी सेल, गोरखपुर विश्वविद्यालय ने वक्ता और प्रतिभागियों सहित संकाय सदस्यों, वैज्ञानिक और अनुसंधान विद्वानों का स्वागत किया। प्रतिभागियों द्वारा कई सवाल पूछे गए थे जिन्हें अतिथि वक्ता ने संतोष जनक उत्तर दिया ।

व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन सचिव प्रोअंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने अतिथि .राजर्षि कुमार गौर और डॉ . वक्ता और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि कल डॉ बलराम सिंह, आईपीआर सलाहकार पेटेंट एजेंट द्वारा/(पेटेंट पत्र)"भारत में पेटेंट फाइलिंग और अभियोजन" पर व्याख्यान पूर्वाहन 11.30 बजे दिया जाएगा।

Website: gorakhpurmail.page

गोरखपुर मेल

twitter.com/GkpMail
gorakhpurmailkhabar
gorakhpurmailgkp@gmail.com

वर्ष-33 अंक-213 | गोरखपुर, गुरुवार 01 अक्टूबर 2020 | आर.एन.आई. पंजीयन संख्या 48006/89 | पृष्ठ-4 मूल्य-एक रूपया

न्यूट्री–अयूर फूडः लाभदायक फिजियोलॉजी के साथ भोजन और पेटेंट की सम्भवनाः प्रो. अनिल कुमार

न्यूट्री–अयूर भोजन योजना एक समग्र स्वस्थ–भोजन कार्यक्रम प्रदान करने के लिए डिजाइन गई है जो आपकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को

पूरा करती है। अतिथि वक्ता के रूप में, प्रो. अनिल कुमार, संस्थापक निदेशक शिक्षा, रानी लक्ष्मी बाई सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, झाँसी ने ऑनलाइन आईपीआर के पांचवें दिन "न्यूट्री–आयुर उत्पादों के विकास के लिए न्यूट्रॉन–इनोवेशन के माध्यम से आईपी प्राप्त करने के लिए नए आयाम" पर व्याख्यान दिया। गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के आईपीआर सेल द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला। उन्होंने दैनिक जीवन में न्यूट्री–अयूर खाद्य पदार्थों के महत्व पर जोर दिया। इन खाद्य पदार्थों को विशेष रूप से लोगों की बढ़ती पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया जाता है, अधिक कैल्शियम की पेशकश और उन व्यंजनों और खाद्य पदार्थों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जो संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल में कम होते हैं। यह एक दवा नहीं है बल्कि स्वास्थ्य क्रिया का एक सकारात्मक तरीका है जो सामान्य तरीकों से शरीर की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि, बाजरा पोषक तत्वों से भरपूर फसलें हैं जो कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, पॉलीफेनोल से भरपूर होती हैं, खनिज न केवल आहार को पूरक करते हैं बल्कि बीमारी के इलाज या रोकथाम में सहायता करते हैं। उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में विकसित पारंपरिक खाद्य पदार्थों के आधार पर बहुत सारे पोषण संबंधी उत्पादों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये पोषण संबंधी खाद्य पदार्थ हानिकारक नहीं हैंय वे उचित कार्य के लिए शरीर की कोशिका को सक्रिय करते हैं। उन्होंने प्राप्त पेटेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी और किसी भी शोधकर्ताओं द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों के आधार पर पेटेंट दाखिल करने के तरीके पर चर्चा की। प्रो. दिनेश यादव, नोडल अधिकारी, आईपीसी सेल, गोरखपुर विश्वविद्यालय ने वक्ता और प्रतिभागियों सहित संकाय सदस्यों, वैज्ञानिक और अनुसंधान विद्वानों का स्वागत किया। प्रतिभागियों द्वारा कई सवाल पूछे गए थे, जिन्हें अतिथि वक्ता ने संतोष जनक उत्तर दिया । व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन सचिव प्रो. राजर्षि कुमार गौर और डॉ. अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने अतिथि वक्ता और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि कल डॉ बलराम सिंह, आईपीआर सलाहकार (पेटेंट पत्र)ध्पेटेंट एजेंट द्वारा "भारत में पेटेंट फाइलिंग और अभियोजन" पर व्याख्यान पूर्वाह्न 11.30 बजे दिया जाएगा।

Dainik Jagarna

हर शोधकर्ता जाने पेटेंट के लिए आवेदन की प्रक्रिया : डा. बलिराम

व्याख्यान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय की आइपीआर (इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स) सेल की ओर से आयोजित सात दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के छठे दिन पेटेंट प्रक्रिया के कानूनी पहलूओं पर विस्तार से चर्चा हुई। पेटेंट सलाहकार डा. बलिराम सिंह यादव ने पेटेंट प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि हर शोधकर्ता को आवेदन के तरीके की जानकारी होनी चाहिए।

डा. यादव ने बताया कि पेटेंट कार्यालय अविष्कारकों द्वारा दायर पेटेंट आवेदन की सामग्री की जांच करता है। पेटेंट सलाहकार इस प्रक्रिया में अन्वेषकों की मदद करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति-2016 के बारे में बताते हुए प्रतिभागियों के सवालों का जवाब भी दिया।

हिन्दी दैनिक

RNI-UPHIN/2012/43240

अमरेश दर्पण

पेटेंट प्रक्रिया के कानूनी पहलुओं में पेटेंट अभियोजन शामिल : डॉ बलराम

अमरेश दर्पण समाचार

गोरखपुर।आईपीआर सलाहकार ६ पेटेंट एजेंट और अटल इनोवेशन मिशन डॉ. बलराम सिंह यादव ने कहा कि पेटेंट प्रक्रिया के कानूनी पहलुओं में पेटेंट अभियोजन शामिल है, जिसमें पेटेंट कार्यालय आविष्कारकों द्वारा दायर पेटेंट आवेदन की सामग्री की जांच करता है। गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के आईपीआर सेल द्वारा आयोजित आईपीआर मुद्दों पर ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के छठे दिन डॉ. बलराम ने कहा कि पेटेंट सलाहकार पेटेंट पंजीकरण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अन्वेषकों के साथ मिलकर काम करते हैं। भारत में पेटेंट आवेदन दायर करने की प्रक्रिया एक मजबूत पेटेंट दावों के साथ एक

की आवश्यकताओं के अनुसार पेटेंट कार्यालय के साथ प्रारंभिक पेटेंट आवेदन दायर किया जाता है। भारत में पेटेंट अभियोजन की प्रक्रिया पेटेंट अनुदान या अस्वीकृति के अंतिम चरण तक आवेदन भरने से शुरू होती है। अलग-अलग कार्यवाही की अवधि के साथ कानूनी प्रक्रिया के लिए एक पूर्ण समयरेखा है। इन कार्यवाहियों की अवधि परिवर्तन के अधीन हैय यह आवेदक पर और पेटेंट कार्यालय की कार्यवाही पर प्रमुख रूप से निर्भर करता है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट प्रणाली पर भी चर्चा की और कहा कि पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) आवेदकों को उनके आविष्कार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट संरक्षण प्राप्त करने में सहायता करती है, पेटेंट कार्यालयों को उनके पेटेंट संबंधी निर्णयों के साथ मदद करती है, और तकनीकी सहायता से संबंधित सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति -2016 के बारे में भी बात की, जिसका उद्देश्य सभी प्रकार की बौद्धिक संपदा (आईपी), संबंधित विधियों और एजेंसियों के बीच तालमेल बनाना और उनका दोहन करना है।

प्रतिभागियों द्वारा सत्र के दौरान कई सवाल उठाए गए थे, जिनका उत्तर डॉ. बलराम ने अच्छी तरह से दिया । प्रो. दिनेश यादव, नोडल अधिकारी, आईपीआर सेल, गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अतिथि वक्ता और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन सचिव प्रो राजर्षि कुमार गौर और डॉ अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने स्पीकर और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

व्याख्यान का समापन बृहस्पतिवार को डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रो. अजेय गुप्ता द्वारा किया जाएगा। प्रो. गुप्ता सुबह 11.30 बजे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ट्रेडमार्क और व्यापार गुप्त अधिकार संरक्षण पर बात करेंगे। तत्पश्चात दोपहर 12रू30 बजे, समापन सत्र होगा जिसकी अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह करेंगे।

'हर शोधकर्ता पेटेंट के लिए आवेदन की प्रक्रिया जाने'

गोरखपुर विश्वविद्यालय में हो रही व्याख्यान श्रृंखला

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। डॉ. बलिराम सिंह यादव ने पेटेंट प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि हर शोधकर्ता को इस प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए।

पेटेंट कार्यालय अविष्कारकों के द्वारा दायर पेटेंट आवेदन की सामग्री की जांच करता है। पेटेंट सलाहकार इस प्रक्रिया में अन्वेषकों की मदद करते हैं। पेटेंट सलाहकार डॉ. बलिराम गोरखपुर विश्वविद्यालय के आइपीआर (इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स) सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में शामिल हुए। व्याख्यान के छठे दिन पेटेंट प्रक्रिया के कानूनी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि देश में पेटेंट आवेदन की प्रक्रिया मजबूत दावों की साथ शुरू होती है। पेटेंट अभियोजन की प्रक्रिया पेटेंट अनुदान या अस्वीकृति के अंतिम चरण तक आवेदन भरने से शुरू होती है। अलग-अलग कार्यवाही की अवधि के साथ कानूनी प्रक्रिया के लिए एक पूर्ण समयरेखा है। इन कार्यवाहियों की अवधि परिवर्तन के अधीन है। उन्होंने राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति-2016 के बारे में भी बात की। जिसका उद्देश्य सभी प्रकार की बौद्धिक संपदा (आईपी), संबंधित विधियों और एजेंसियों के बीच तालमेल बनाना और उनका दोहन करना है। प्रतिभागियों ने सत्र के दौरान कई सवाल पूछे। प्रो. दिनेश यादव ने स्वागत तथा प्रो. राजर्षि कुमार गौर और डॉ. अंबरीष श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

पेटेंट प्रक्रिया के कानूनी पहलुओं में पेटेंट अभियोजन शामिल डॉ : बलराम

विचारधारा समाचार,

गोरखपुर।आईपीआर सलाहकार / पेटेंट एजेंट और अटल इनोवेशन मिशन डॉ. बलराम सिंह यादव ने कहा कि पेटेंट प्रक्रिया के कानूनी पहलुओं में पेटेंट अभियोजन शामिल है, जिसमें पेटेंट कार्यालय आविष्कारकों द्वारा दायर पेटेंट आवेदन की सामग्री की जांच करता है। गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के आईपीआर सेल द्वारा आयोजित आईपीआर मुद्दों पर ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के छठे दिन डॉ. बलराम ने कहा कि पेटेंट सलाहकार पेटेंट पंजीकरण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अन्वेषकों के साथ मिलकर काम करते हैं। भारत में पेटेंट आवेदन दायर करने की प्रक्रिया एक मजबूत पेटेंट दावों के साथ एक व्यापक पेटेंट आवेदन का मसौदा तैयार करके शुरू होती है। पेटेंट कानून की आवश्यकताओं के अनुसार पेटेंट कार्यालय के साथ प्रारंभिक पेटेंट आवेदन दायर किया जाता है। भारत में पेटेंट अभियोजन की प्रक्रिया पेटेंट अनुदान या अस्वीकृति के अंतिम चरण तक आवेदन भरने से शुरू होती है। अलग-अलग कार्यवाही की अवधि के साथ कानूनी प्रक्रिया के लिए एक पूर्ण समयरेखा है। इन कार्यवाहियों की अवधि परिवर्तन के अधीन है; यह आवेदक पर और पेटेंट कार्यालय की कार्यवाही पर प्रमुख रूप से निर्भर करता है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट प्रणाली पर भी चर्चा की और कहा कि पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) आवेदकों को उनके आविष्कार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट संरक्षण प्राप्त करने में सहायता करती है, पेटेंट कार्यालयों को उनके पेटेंट संबंधी निर्णयों के साथ मदद करती है, और तकनीकी सहायता से संबंधित सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति -2016 के बारे में भी बात की, जिसका उद्देश्य सभी प्रकार की बौद्धिक संपदा (आईपी), संबंधित विधियों और एजेंसियों के बीच तालमेल बनाना और उनका दोहन करना है।

प्रतिभागियों द्वारा सत्र के दौरान कई सवाल उठाए गए थे, जिनका उत्तर डॉ. बलराम ने अच्छी तरह से दिया । प्रो. दिनेश यादव, नोडल अधिकारी, आईपीआर सेल, गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अतिथि वक्ता और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन सचिव प्रो राजर्षि कुमार गौर और डॉ अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने स्पीकर और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

व्याख्यान का समापन बृहस्पतिवार को डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रो. अजेय गुप्ता द्वारा किया जाएगा। प्रो. गुप्ता सुबह 11.30 बजे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ट्रेडमार्क और व्यापार गुप्त अधिकार संरक्षण पर बात करेंगे। तत्पश्चात दोपहर 12:30 बजे, समापन सत्र होगा जिसकी अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह करेंगे।

Posted by मुक्त विचारधारा at 12:08:00 AM

02/10/2020

Dainik Jagaran

गोविवि में सात दिवसीय व्याख्यानमाला संपन्न

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय में सात दिवसीय आइपीआर (इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स) आनलाइन व्याख्यानमाला का गुरुवार को समापन हुआ। मुख्य वक्ता इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च के एडिशनल डायरेक्टर जनरल डा.आरके सिंह ने बेहतरीन पादप प्रजातियों के पेटेंट प्रक्रिया की जानकारी दी। वाणिज्य विभाग के आचार्य प्रो.अजेय गुप्ता ने 'राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर ट्रेडमार्क और ट्रेड सिक्रेट' पर व्याख्यान दिया। कुलपति प्रो.राजेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा की एक प्रभावी व्यवस्था पर जोर दिया। (जासं.)